

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2022)

दिनांक : 17.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा

पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक : 100

महात्मा महाप्रज्ञ-50

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए—

13

- (क) 'आज तुम्हारा भाग्य खुल गया।' यह बात मां ने बालक नथमल को किसकी शादी में कही?
- (ख) बालक नथमल 'आकाश-दर्शन' कहां से करते थे?
- (ग) बालक नथमल व उनकी मां बालूजी को साधु प्रतिक्रमण सीखने की अनुमति कब प्राप्त हुई?
- (घ) बालक नथमल ने 'कर्म-प्रकृति' पुस्तक किससे प्राप्त की?
- (ङ) मुनि दीक्षा के बाद महाप्रज्ञजी ने कौन सा ग्रंथ कंठस्थ करना प्रारंभ किया?
- (च) साध्वी जयकंवरजी ने कौन से चार आचार्यों की उदक-सेवा की?
- (छ) युवाचार्य तुलसी के जलपात्र वहन की सेवा महाप्रज्ञजी को किस अवसर पर हुई?
- (ज) ये नए ब्राह्मण आये हैं, यह बात सन्तों ने महाप्रज्ञजी को क्यों कही?
- (झ) 'मर्यादा-मुक्तावली' का निर्माण कब और कहां हुआ?
- (ञ) महाप्रज्ञ जी में मन्त्र के विषय में रुचि कब बढ़ी?
- (ट) गुरुदेव तुलसी ने महाप्रज्ञजी से अन्तरंग व्यवस्था में पहली बार सहयोग कब और कहां लिया?
- (ठ) सविधि प्रतिक्रमण कब और किस अवसर पर प्रारम्भ किया गया?
- (ड) आचार्य तुलसी ने महाप्रज्ञजी को कौन से मर्यादा महोत्सव पर अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया?
- (ढ) अनेकान्त का प्राणतत्त्व क्या है?
- (ण) मुख्यनियोजिकाजी की नियुक्ति कब और कहां हुई और उन्हें क्या दायित्व दिया गया?

प्र. 2 कोई चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए—

10

- (क) पण्डित प्रवर सुखलालजी ने आगम-सम्पादन के विषय में क्या कहा?
- (ख) अणुव्रत साधना शिविर में महाप्रज्ञजी के साथ कौन-कौन से सन्तों ने भाग लिया?
- (ग) आचार्य तुलसी ने 'महाप्रज्ञ' शब्द की क्या व्याख्या की?
- (घ) तेरापंथ के विकास के साधन कौन-कौन से हैं?

- प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए— 12
- (क) महाप्रज्ञ जी के योग जीवन का प्रारम्भ पर टिप्पणी लिखें।
- (ख) 'जीवन-विज्ञान' पर टिप्पणी लिखें।
- (ग) 'कैसे होगा यह काम?' आचार्य तुलसी की यह चिन्ता किस अपेक्षा से थी और इसका क्या समाधान हुआ?
- (घ) महाप्रज्ञजी की दिनचर्या पर प्रकाश डालें।

- प्र. 4 महाप्रज्ञजी के प्रति पूज्य कालूगणी के वात्सल्य भाव को दृष्टांतों द्वारा स्पष्ट करें। 15

अथवा

सिद्ध करें आचार्य महाप्रज्ञ श्रुत के उपासक थे।

आचार्य महाश्रमण-30

- प्र. 5 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए— 7
- (क) मोहन के पिताजी श्री झूमरमलजी के स्वर्गवास के समय मोहन कितने वर्ष का था?
- (ख) मोहन की मासी का नाम क्या था? वह मोहन के लिए क्या लायी?
- (ग) मुनि हेमन्त कुमार का नाम परिवर्तित क्यों किया गया व उनका नाम क्या रखा गया?
- (घ) मुनि मुदित कुमार जी को गुरुदेव तुलसी की व्यक्तिगत सेवा में कब और कहां नियुक्त किया गया?
- (ङ) मुनि मुदित कुमार की साझ में कौन से सन्तों को दिया गया?
- (च) श्रीङ्गरगढ़ में आचार्य महाप्रज्ञजी ने युवाचार्य महाश्रमण की समर्पणनिष्ठा की तुलना किससे की?
- (छ) चवांलीसवें वर्ष में प्रवेश के समय आचार्य महाप्रज्ञ ने युवाचार्य महाश्रमण की कौन-कौन सी विशेषताओं का उल्लेख किया।
- प्र. 6 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए— 5
- (क) पुनः महाश्रमण पद की नियुक्ति पत्र की भाषा लिखें।
- (ख) मुनिश्री सोहनलालजी (चाड़वास) में क्या-क्या विशेषताएं थीं?
- (ग) युवाचार्य महाश्रमण के लिए आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा महातपस्वी हेतु दिये गये तीन बिन्दुओं को लिखें।

प्र. 7 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए—

18

- (क) वैरागी मोहन की दिनचर्या पर प्रकाश डालें।
- (ख) 'एक प्रयोग, एक परीक्षण' घटना प्रसंग को लिखें।
- (ग) युवाचार्य मनोनयन के अवसर पर युवाचार्य महाश्रमण द्वारा दिये गये वक्तव्य का सार-संक्षेप में लिखें।
- (घ) 'दशम सूर्य अदृश्य' के समय का वर्णन करें।

तेरापंथ-प्रबोध-10

प्र. 8 कोई तीन पद्य लिखें—

10

- (क) टोला रा.....यादगार हो ।।
- (ख) 'कालू-कालू बोलूं।' गीत वाला पद्य ।।
- (ग) 'स्वामीजी! थारी साधना री।' गीत वाला पद्य ।।
- (घ) जयाचार्य.....भाष्यकार हो ।।
- (ङ) आषाढी.....अविकार हो ।।

तुलसी-प्रबोध-10

प्र. 9 कोई तीन पद्य लिखें—

10

- (क) आचार्या री दिल्ली यात्रा ।
- (ख) चंपक की दीक्षा ।
- (ग) आगम-संपादन ।
- (घ) पाव सदी.....उपहार हो ।
- (ङ) श्रुत आराधन.....हुंशियार हो ।